nwda.gov.in

Rhine, Thames के फॉर्म्युले से यमुना होगी साफ!

दिल्ली का अजेंडा

दिल्ली की नई सरकार के सामने NBT ने लोगों से जुड़े पांच अजेंडे रखे हैं। हमने प्रदूषण, पानी की सप्लाई और कूड़े के पहाड़ों जैसे मुद्दे उठाए हैं, जिन पर मंत्रियों ने काम करने का भरोसा दिलाया है। अगला बड़ा अजेंडा दिल्ली में यमुना की सफाई का है। हमारे सामने दुनिया की ऐसी कई नदियों के उदाहरण हैं, जिनका नाम कभी सबसे प्रदूषित नदियों में आता था, लेकिन वहां की सरकारों ने कड़े कदम उठाकर इनकी सूरत बदल दी। वहां के फॉर्म्युले को अपनाया जाए तो दिल्ली में यमुना को भी साफ किया जा सकता है :

सरकार के लिए अजेंडा बनाने में आप भी बनें भागीदार

दिल्ली में यमुना की सफाई के मुद्दे पर आप क्या सोचते हैं? कैसे इस समस्या को हल किया जा सकता है? आप अपनी राय हमें nbtreader@timesofindia.com पर भेज सकते हैं। सब्जेक्ट में लिखें Agenda

यमुना को साफ करना मुमकिन, लेकिन सही नीयत और दूरदर्शिता की जरूरत : एक्सपर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

यमुना इस समय चर्चाओं में है। यमुना को साफ करने के लिए ऐक्शन प्लान तैयार हो रहे हैं। कई तरह के काम दिल्ली में किए जा रहे हैं। एक्सपर्ट के अनुसार यमुना की यह हालत होने में कई साल का समय लगा है। इसे साफ करना मुमकिन है, लेकिन उसके लिए सही नीयत और दूरदर्शिता की जरूरत है। हालांकि देश-विदेश में कई ऐसे उदाहरण हैं, जहां सबसे प्रदूषित नदियों को साफ कर दिखाया गया है।

कभी सबसे प्रदूषित नदी थी राइन

यूरोप की राइन नदी लगभग यमुना के बराबर ही है। इसकी कुल लंबाई करीब 1260 किलोमीटर है। खास बात यह है कि ये नदी एक दो नहीं बल्कि करीब 6 देशों से गुजरती है। स्विट्जरलैंड से शुरू होकर राइन नदी जर्मनी, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड, फ्रांस से होकर गुजरती है और फिर उत्तरी सागर में मिल जाती है। एक समय था जब यह दुनिया की सबसे दूषित नदियों में शामिल थी। लेकिन इस नदी के महत्व को देखकर इसे साफ करने की कोशिशें रंग लगाई। नदी को साफ करने के लिए इससे जुड़े हर देश ने अपनी कोशिशें की, जिसके तहत हर शहर और बड़ी आबादी वाले इलाकों में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की व्यवस्था की गई। उद्योगों के लिए नए नियम लागू किए गए।

नदी में सीधे तौर पर किसी भी तरह की गंदगी डालने पर रोक लगाई गई। एक अहम कदम यह लिया गया कि हर निश्चित दूरी पर वॉटर सैंपल लेने की व्यवस्था की गई और निगरानी की गई कि कहां नदी गंदी हो रही है। नदी के कुछ हिस्सों में पूरी तरह से ग्रीनरी तैयार की गई। हालांकि बीच-बीच में नदी की गहराई बढ़ाने, पानी के फ्लो को लेकर विवाद भी हुए, लेकिन इसके बावजूद राइन अब दुनिया की सबसे साफ-सुथरी नदियों में से एक है।

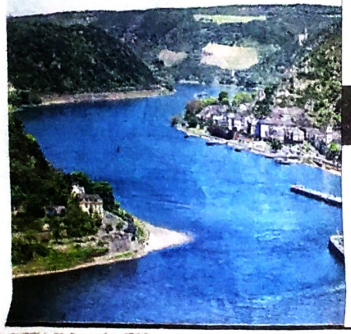

टेम्स के लिए बनाए गए कड़े कानून

साफ नदियों का जिक्र आते ही इंग्लैंड की टेम्स नदी सबसे पहले याद आती है। करीब 400 किलोमीटर लंबी यह नदी इंग्लैंड की सबसे लंबी नदियों में से एक है। खास बात यह है कि यह लंदन शहर के बीचों-बीच से गुजरती है। 1976 से टेम्स में गिरने वाले नालों को रोका गया। 1961 और 1995 के बीच कड़े कानून लागू करके पानी के गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के लिए सख्ती बरती गई। तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर ने 1988 में नैशनल रिवर अथॉरिटी की स्थापना के साथ-साथ निगरानी भी सुनिश्चित की। यहां जल प्राधिकरण ने 1980 के दशक की शुरुआत में नदी के किनारे प्रोटोटाइप ऑक्सिजनेटर विकसित किए। यह पानी में ऑक्सिजन और मछलियों की आबादी बढ़ाने में वहां पर एक टर्निंग पॉइंट साबित हुए। पानी साफ हुआ, ऑक्सिजन की मात्रा भी बढ़ी और समुद्री जीव भी ज्यादा होने लगे। असर ऐसा हुआ कि यह दुनिया की सबसे साफ नदी बन गई।

साफ चंबल नदी यमुना की सहायक

चंबल नदी भी मध्य प्रदेश की साफ नदियों में एक है और यह भी यमुना की सहायक नदी है। इस नदी को प्रदूषण मुक्त माना जाता है। यह देश की स्वच्छ नदियों में भी शामिल है। इस नदी की खासियत यह है कि यह नदी दक्षिण दिशा से उत्तर प्रदेश में बहने वाली नदी है। यह 965 किलोमीटर लंबी है। यह मध्य प्रदेश में महू के पास विन्ध्य रेंज की ढलानों से निकलती है। यह राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच की सीमा बनाती है। इस नदी में काफी संख्या में घड़ियाल पाए जाते हैं। चंबल के किनारे बड़ी आबादी नहीं बसी है और न ही बड़े धार्मिक शहर बस पाए हैं।

यमुना को साफ करने के लिए ऐक्शन

- **28 अप्रैल 2023** से 15 जुलाई 2024 तक 340 डाई इंडस्ट्री का निरीक्षण किया गया
- **144 डाई इंडस्ट्री** को सील कर इनके बिजली-पानी के कनेक्शन काटे गए
- **607.1 एमजीडी** पानी ट्रीट किया गया
- **267 एमजीडी** ट्रीटेड वॉटर यमुना में डाला जा रहा है
- **126 एमजीडी** ट्रीटेड वॉटर बागवानी और झीलों में हो रहा इस्तेमाल
- **100 एमजीडी** (कोरोनेशन पिलर, भलस्वा लेक, जहांगीरपुरी ड्रेन) भूजल रिचार्ज के लिए इस्तेमाल हो रहा है

(ट्रीटेड पानी का स्टेटस जुलाई 2024 तक का है)

क्या कदम उठाए गए हैं अब तक

- यमुना नदी से शैवाल, जलकुंभी और कचरा निकालने का काम जोरों पर चल रहा है
- यमुना में गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान पिछले तीन साल से मूर्ति विसर्जन पर प्रतिबंध है
- पूजन सामग्री यमुना में कोई न डाले इसके लिए ब्रिजों पर लगी जालियों पर प्रतिबंध वाले बोर्ड लगाए गए हैं
- यमुना के किनारे से अवैध पार्किंग और अवैध नर्सरियों को बड़ी संख्या में हटाया गया है
- यमुना के किनारे बायोडायवर्सिटी पार्क बनाए गए हैं और कुछ बनाए जा रहे हैं

सबसे साफ नदियों में मेघालय की उमंगोट

भारत में भी मेघालय की उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में शामिल है। इस नदी का पानी इतना साफ है कि कांच की तरह गहराई तक देख सकते हैं। नदी को साफ रखने की परंपरा यहां प्राचीन काल से चली आ रही है। यह नदी शिलॉन्ग से 95 किलोमीटर दूर भारत बांगलादेश सीमा के पास पूर्वी जयंतिया पहाड़ियों में बहती है। यह राज्य के तीन गांवों डावकी, दरंग और शेनांगगेडेंग से होकर गुजरती है। स्थानीय लोग इसे साफ रखने की हर संभव कोशिश करते हैं। पहाड़ों की चट्टानें पानी को प्राकृतिक रूप से फिल्टर करती हैं। साथ ही इस क्षेत्र में औद्योगिकरण बहुत कम है। यहां के लोग नदी को गंदा नहीं करते। नदी को साफ रखने के लिए ग्रामीण मिलकर सफाई करते हैं। तीनों गांवों की आबादी 300 घरों की है। खासी समुदाय के लोग नदी की सफाई मिलकर करते हैं। ये लोग हर दिन नदी को साफ करने में अपना सहयोग देते हैं। कम्युनिटी डे के लिए महीने में तीन से चार दिन तय हैं। इन दिनों में गांव के हर घर से कम से कम एक व्यक्ति नदी की सफाई में मदद करता है। नदी में गंदगी फैलाने पर 5000 रुपये तक का जुर्माना लिया जाता है।

MP की सबसे साफ नदी केन

केन नदी मध्य प्रदेश की सबसे साफ नदियों में से है। यह नदी 427 किलोमीटर लंबी है और इसका 292 किलोमीटर का हिस्सा मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में है। इस नदी के किनारे 260 से भी ज्यादा गांव बसे हैं। पूरे क्षेत्र में घना जंगल है। नदी के आसपास शहर न के बराबर हैं। इसलिए यहां विकास भी काफी कम हुआ है। यही वजह है कि नदी का पानी दूषित नहीं हुआ है। अहम यह यह है नदी यमुना की ही सहायक नदी है।